पंचदश

बिहार विधान-सभा

पंचम सत्र

अल्प-सूचित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 10 चैत्र, 1934 (श०) / 30 मार्च, 2012 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या—03

(1) ऊर्जा विभाग	..	..	01
(2) स्वास्थ्य विभाग	..	..	02
		कुल योग	03

विद्युत आवश्यकता पूरा करना

57. श्री विनोद नारायण झा--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य को आज प्रतिदिन 3500 मेगावाट बिजली की आवश्यकता है जबकि केन्द्रीय कोटा के तहत उसे मात्र 1726 मेगावाट बिजली मिलती है;

(2) क्या यह बात सही है कि राज्य सरकार अपने राज्य की आवश्यकता की आपूर्ति के लिए अपने 100-125 मेगावाट उत्पादन के अतिरिक्त 300 मेगावाट बिजली की खरीद करती है परन्तु इसके बावजूद राज्य को औसतन 1200 से 1400 मेगावाट बिजली ही उपलब्ध हो पाती है;

(3) यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो राज्य की विद्युत आवश्यकता को पूरा करने के लिए सरकार की क्या कार्य योजना है ?

कार्रवाई नहीं करने का औचित्य

58. श्री संजय सरावगी--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि डी०एम०सी०एच०, दरभंगा में दिसम्बर, 2007 से मार्च, 2008 की अवधि में 1.06 करोड़ की लागत से 87,600 पीस विक्रिल (मेजर ऑपरेशन में लगने वाला टाका) का क्रय किया गया एवं जुलाई, 2008 में विक्रिल उपलब्धता शून्य दिखाकर पुनः 66.53 लाख की लागत से 84,000 पीस विक्रिल का क्रय वित्तीय वर्ष 2008-09 में किया गया तथा दिसम्बर, 2007 से जुलाई, 2008 तक की अवधि में मात्र 3,260 मेजर ऑपरेशन किए गए;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त अनियमितता की जाँच हेतु निगरानी विभाग द्वारा पत्रांक 2280, दि० 3 जून, 2009 द्वारा स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया जिसके आलोक में स्वास्थ्य विभाग के पत्रांक 665(17), दिनांक 10 सितम्बर, 2009 को जाँच हेतु भेजा जो अबतक लम्बित है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार द्वारा उक्त अनियमितता में अबतक कोई कार्रवाई नहीं करने का क्या औचित्य है ?

अधिक कैथेटर एवं इन्ट्राकैट खरीदने का औचित्य

59. श्री संजय सरावगी--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कैथेटर एवं इन्ट्राकैट वित्तीय वर्ष 2007-08 में 1,15,000 पीस लागत मूल्य 19,11,780 रुपये, वर्ष 2008-09 में 2,05,000 पीस लागत मूल्य 28,10,320 रुपये, वर्ष 2009-10 में 1,30,000 पीस मूल्य 7,82,807 रु०, वर्ष 2010-11 में 2,84,300 पीस मूल्य रुपये 62,55,000 का खरीदे गये थे;

(2) क्या यह बात सही है कि उपर्युक्त वित्तीय वर्ष में अस्पताल में इन्डोर में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या क्रमशः 24,000, 28,300, 33,000 एवं 34,303 थी;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो इतने अधिक कैथेटर एवं इन्ट्राकैट खरीदने का क्या औचित्य है एवं क्या सरकार दोषी व्यक्ति को चिन्हित कर कार्रवाई करना चाहती है, हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पटना:
दिनांक 30 मार्च, 2012 (ई०) ।

लक्ष्मीकान्त झा,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि०स०मु० (एल०ए०), 169-डी०टी०पी०--450